वार्षिक प्रतिवेदन 2023–2024

(श्रीनिर्मल विवेक स्पेशल स्कूल, हॉस्टल एण्ड वी.टी.सी)

'सोसायटी फॉर वेलफेयर ऑफ मेन्टली हेन्डीकेप्ड' संस्था की स्थापना 2 अक्टूबर 1988 को स्वर्गीय श्री श्रीपाल चन्द मेहता एवं स्व. श्रीमती निर्मला मेहता, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट दम्पति के अथक प्रयासों के फलस्वरूप हुई। विशिष्ट बच्चों के कल्याण हेतु मात्र 7 बच्चों से किराये के भवन में संस्था की शुरूआत हुई। दुर्भाग्यवस 23 अप्रेल 1990 को संस्था के संस्थापक दम्पति का सपरिवार आकस्मिक कार-दुर्घटना में दुखःद देहांत हो गया। उनके आकस्मिक देहावसन के पश्चात मेहता परिवार ने कुछ समाजसेवी-समर्पित महानुभावों के सहयोग से इस संस्था को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया, जो आजतक भी सतत् रूप से जारी है।

संस्था का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक-दिव्यांग बालकों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ इनको समाज की मुख्य धारा में सम्मलित करवाना है। वर्तमान में आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त विद्यालय निरन्तर 34 वर्षों की अनवरत तपस्या व मेहनत का परिणाम है। वर्तमान में 120 से अधिक दिव्यांग बालक/बालिकाएं विद्यालय में शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षित-विशेषज्ञों की एक टीम एवं विशेष-शिक्षा (बौद्धिक दिव्यांगता) में प्रशिक्षित विशेष-शिक्षक इन बच्चों के पुनर्वास हेतु कार्यरत हैं। बौद्धिक दिव्यांगता एवं सह दिव्यांगताओं वाले बच्चे जैसे अति-चंचलता, आधिगम-अक्षमता, अक्षमता, ऑटिज्म, सेरेब्रल पॉल्सी, डाउन-सिन्ड्रोम इत्यादि शिक्षण प्रशिक्षण से लाभान्वित हो रहे हैं। वर्तमान में संस्था द्वारा एक विशेष विद्यालय **''श्रीनिर्मल''**, छात्रावास **''विवेक'**, व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र **''समर्थ''** एवं विशेष शिक्षा में दो वर्षीय पाठ्यक्रम **''प्रेरणा''** का संचालन किया जा रहा है।

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालयः– श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय ने दिव्यांगों में कौशल व सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने हेतु एक पहल की है ताकि वे कुछ हद तक आत्मनिर्भर हो सकें। ऐसे बच्चे जो किसी कारणवश विद्यालय नहीं पहुंच पाते हैं उनके कल्याण हेतु गृह-आधारित पुनर्वास कार्यक्रम भी उपलब्ध करवाया जाता है, ताकि भविष्य में स्थिति अनुकूल होने पर उनको विद्यालय से जोड़ा जा सके। 'व्यक्तिगत शैक्षणिक कार्यक्रम' प्रत्येक बालक की आवश्यकता के अनुरूप विकास हेतु तैयार किया जाता है, जिससे बच्चे को पुनर्वासित करने में मदद मिलती है। विद्यालय में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु 4 वर्ष है। प्रवेश के समय सर्वप्रथम बच्चे की केस हिस्ट्री मनोवैज्ञानिक द्वारा ली जाती है इसके बाद बच्चे को 5 दिन निरीक्षण के लिए रखा जाता है। तत्पश्चात बच्चे का साइकोलोजिकल एवं एज्यूकेशनल एसेसमेन्ट किया जाता है। तदोपरान्त बच्चे की बुद्धिलब्धि और उम्र के आधार पर कक्षा का आवंटन किया जाता है। विद्यालय में कुल 6 कक्षाऐं संचालित होती हैं इन कक्षाओं में कुल 82 बच्चे पंजीकृत हैं।

1. **ई.आई.जी.** कक्षा में 4 से 6 वर्ष के बच्चों का प्रवेश निर्धारित होता है। कक्षा में कुल 12 छात्र/छात्राएं हैं। जिनको

दैनिक जीवन की क्रियाएं और स्थूल एवं सूक्ष्म गामक कुशलताओं में प्रशिक्षित किया जाता है।

2. **केयर ग्रुप** कक्षा में 12 छात्र/छात्राएं हैं, जिनको दैनिक जीवन के क्रिया कलापों में प्रशिक्षित किया जाता है।
3. **प्री-प्राईमरी – I** कक्षा में 13 छात्र/छात्राएं हैं। 7 वर्ष से 11 वर्ष के बच्चे हैं जिनको आधारभूत शिक्षण क्रियाएं और दैनिक जीवन के क्रिया कलाप में प्रशिक्षित किया जाता है।
4. **प्री-प्राईमरी – II** कक्षा में 10 छात्र/छात्राएं हैं। 7 वर्ष से 11 वर्ष के बच्चे हैं जिनको आधारभूत शिक्षण क्रियाएं और दैनिक जीवन के क्रिया कलाप में प्रशिक्षित किया जाता है।
5. **सैकण्ड्री** कक्षा में 12 छात्र/छात्राएं हैं। 11 वर्ष से 14 वर्ष के छात्र/छात्राएं है जिनको आधारभूत शिक्षण क्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाता हैं।
6. **प्री-वोकेशनल** कक्षा में 10 छात्र/छात्राएं है। 15 से 18 वर्ष के छात्र/छात्राएं हैं जिनको प्री-वोकेशनल कौशलों में प्रशिक्षित किया जाता है।
7. **एन.आई.ओ.एस.** कक्षा में 14 छात्र/छात्राएं हैं। जिनकी उम्र 10 से 18 वर्ष है। इनको मुख्यतः शैक्षणिक क्रियाओं में प्रशिक्षित किया जाता है।

''विवेक'' छात्रावास :– संस्था द्वारा दूरस्थ ग्रामीण-परिवेश के अधिकतम 30 अल्प-बौद्धिक दिव्यांग बालकों हेतु छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है, जो दैनिक जीवन की प्रक्रियाओं में पूर्णरूप से प्रशिक्षित हैं और उनमें व्यवाहारिक समस्याएं कम है। छात्रावास में बच्चों को केवल आवास ही उपलब्ध नहीं होता है बल्कि उनको स्नेह-भाव से शिक्षण-प्रशिक्षण देकर पुनर्वासित किये जाने का भी प्रयास

किया जाता हैं । छात्रावास में बालकों को घर जैसा वातावरण देने हेतु सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

दिव्यांग युवाओं के लिए ''समर्थ'' व्यवासयिक प्रशिक्षण केन्द्र :– हमारा व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र ''समर्थ'' राजस्थान का पहला प्रशिक्षण केन्द्र है। वर्तमान में इस संस्थान में 35 युवक/युवतियां प्रशिक्षण ले रहे हैं। ''समर्थ'' व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य 18 वर्ष से ऊपर वाले युवाओं को व्यावसायिक कौशलों में प्रशिक्षित करना जिससे वे

अपने आप को उद्देश्य पूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों में व्यस्त रखते हुए अपने आत्म-विश्वास को और भी सुदृढ़ कर सकते हैं। समय-समय पर इन युवाओं द्वारा बनाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी लगती रहती है और अलग-अलग संस्थानों में इनकी सप्लाई भी की जाती है। उत्पादों से अर्जित लाभ इन युवक-युवतियों में बांट दिया जाता है। वर्तमान में व्यावसायिक केन्द्र में इन्हें निम्नलिखित गतिविधियों में प्रशिक्षित किया जाता है :–

आर्ट एण्ड क्राफ्ट उत्पाद :–

- पुराने अखबार की थैली बनाना
- डेकोरेटिव कैरी बैग, गिफ्ट एनवलेप
- राखी
- गिफ्ट आर्टिकल्स
- दीपक डेकोरेशन एवं मोमबत्तियां

- कुशन कवर, साड़ी कवर, पूजा थाली कवर, एप्रेन इत्यादि।

आटा चक्की :–हॉस्टल परिसर में एक बड़ी आटा चक्की उपलब्ध है जिसमें बच्चों को गेंहूँ पीसने के कार्य में प्रशिक्षित किया जाता है।

हाउसकीपिंग गतिविधियां :– बेडशीट सेट करना, पिलो कवर डालना, डस्टिंग करना इत्यादि सिखाया जाता है।

बागवानी कार्य :– पेड़ पौधों में पानी डालना, कटाई-छाँटाई करना, सब्जियां उगाना इत्यादि।

सिलाई कार्य :– बैग सिलना , ऐप्रन बनाना, थाल पॉश बनाना इत्यादि।

पेपर मैशे कार्य :– पेपर मैशे बनाना, पेन्टिंग, सिनरी इत्यादि।

कुकिंग कार्य : – सैण्डविच बनाना, आटा लगाना, भेलपूरी बनाना,चाय बनाना, सूप बनाना, इत्यादि।

''प्रेरणा'' विशेष शिक्षा में डिप्लोमा : – श्रीनिर्मल विवेक विद्यालय हमेशा से ही विशेष शिक्षकों की आवश्यकता महसूस करता है। सन् 2012 में भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के द्वारा संस्था को 2 वर्षीय विशेष शिक्षा (बौद्धिक विकासात्मक दिव्यांगता) कोर्स की मान्यता दी गयी। इस दो वर्षीय कोर्स में प्रत्येक सत्र में 35 सीटें निर्धारित हैं। कुल 70 प्रशिक्षार्थियों का प्रत्येक सत्र में नामांकन होता है। जिसमें प्रवेश प्रक्रिया भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा सम्पादित की जाती है। हमारा संस्थान गुणवत्तापूर्ण टीचर ट्रेनिंग के लिए जाना जाता है। हमारे यहां से उत्तीर्ण कुछ ट्रेनीज राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार में सेवाएं दे रहे हैं।

संस्था में दिव्यांगों हेतु उपलब्ध अन्य सेवाएंः–

सोइकोलोजिकल यूनिटः–जब बच्चा विद्यालय में प्रवेश करता है सबसे पहले मनोवैज्ञानिक द्वारा बच्चे की डिटेल केस हिस्ट्री ली जाती है । इसके बाद सोइकोलोजिकल एसेसमेन्ट किया जाता है आकलन के आधार पर बच्चे की बुद्धिलब्धि और उम्र के अनुसार कक्षा आवंटन किया जाता है। और व्यवहार परिमार्जन कार्यक्रम तैयार करके कक्षा अध्यापक/अध्यापिका को दिया जाता है।

फिजियोथैरपी यूनिट :– फिजियोथैरेपी से शारीरिक दिव्यांगता वाले बच्चों की मसल-टोन व गामक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। जैसे उठना, चढ़ना, उतरना, चलना , इत्यादि। थैरेपिस्ट बच्चे का एसेसमेन्ट करता है और समय-समय पर फोलोअप भी लिया जाता है।

ऑक्यूपेशनल थैरेपीः – इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को दैनिक जीवन की गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम बनाना है। जैसे ब्रुश करना, टॉयलेट केयर इत्यादि। ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट बच्चे का एसेसमेन्ट करता है और समय-समय पर फोलोअप भी लिया जाता है।

वाणी एवं भाषा थैरेपी युनिट : – यहां उन बच्चों की मदद की जाती है जिनको उच्चारण, स्पष्ट बोलने, तुतलाने, हकलाने और वाक्य संरचना में परेशानी होती है। स्पीच थैरेपिस्ट के द्वारा बच्चे का एसेसमेन्ट किया जाता है तत्पश्चात स्पीच प्रोग्राम डिजाइन किया जाता है और समय-समय पर फोलोअप भी लिया जाता है।

संगीत थैरेपी यूनिट : – संगीत थैरेपी बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक एवं संवेगात्मक विकास के लिए फायदेमंद है जिससे बच्चे में अभिव्यक्ति कौशल विकसित हो पाता है और बच्चे को

संगीत बाद्य यंत्र बजाने से मानसिक शान्ति मिलती है। इससे बच्चे की एकाग्रता भी बढ़ती जो शिक्षण अधिगम कौशलों को सफलता पूर्वक ग्रहण करने में बच्चे की मदद करती है।

स्पोर्ट्स यूनिट :– हमारे बच्चों को खेल प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्पोर्ट्स से सम्बन्धित सभी उपकरण उपलब्ध है जैसे बैडमिन्टन किट, फुटवॉल, बॉलीवॉल, बास्केट बॉल, स्केटिंग किट इत्यादि। बच्चों को समय-समय पर इन्डोर, आउटडोर गेम्स एक्टिविटीज स्पोर्ट्स कोच द्वारा करवाईं जाती है। हमारे विद्यालय से प्रशिक्षित बच्चे विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होकर पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

खिलौना बैंक यूनिट :–खिलौना बैंक की स्थापना 2 मार्च 2023 को हुई। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ खेल-खेल में नई जानकारी प्रदान करना है ताकि बच्चों को विद्यालय आना अधिक रूचिकर लगे और उनकी उपस्थिति बढ़े एवं बच्चों का सामाजीकरण हो पाए।

स्मार्ट क्लास :– वर्तमान में विद्यालय में 3 स्मार्ट क्लास उपलब्ध हैं। जिसका उद्देश्य बच्चे के लिए सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। कुछ ऐसे विषय जो कक्षा अध्यापक भाषण के माध्यम से बच्चे को नहीं समझा पाये तो उस कन्सेप्ट को स्मार्ट क्लास के माध्यम से समझाना अत्यधिक सरल है। क्योंकि **'ऑडियो वीज्यूल एड'** बच्चे के ध्यान को ज्यादा आकर्षित करती है। विद्यालय के अधिकांश बच्चे स्मार्ट क्लास का लाभ ले रहे हैं।

इवेन्ट एण्ड सेलीब्रेशन्स : –

दीवाली मेला प्रदर्शनी

दिनांक 28.10.2024 को दीपावली के अवसर पर अपेक्स विश्वविद्यालय में दीवाली मेला आयोजित किया गया। इस मेले में संस्था द्वारा संचालित ''समर्थ'' वी.टी.सी के बच्चों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी गई। इस प्रदर्शनी में ज्वेल ऑफ इण्डिया सोसायटी के सदस्यों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं निर्मित उत्पादों को खरीदा । इस मेले में उत्पादों की अच्छी बिक्री हुई एवं सब लोगों ने उत्पादों की सराहना की।

''विश्व विकलांगता दिवस-2023'' :– 3 दिसम्बर विश्व-विकलांगता दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 3 दिसम्बर को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल में विकलांगता जागरूकता दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक श्रीमती आभा विद्यार्थी, प्रधानाचार्य श्री सी.एस. त्रिवेदी एवं कोर्स कॉर्डिनेटर श्री सुरेश बाबू शर्मा ने की। कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियाँ व खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं द्वारा नाटक के माध्यम से समाज को दिव्यांग बच्चों

के प्रति संवेदनशील और सौहाद-पूर्ण व्यवहार करने का संदेश दिया। सैकण्ड्री कक्षा के बच्चों के द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई।

राज्य स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिताः – दिनांक 29 अगस्त 2024 को श्रीनिर्मल विवेक स्कूल में ''राष्ट्रीय खेल दिवस'' मनाया गया । यह दिवस हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की याद में मानाया जाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस का प्रारम्भ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। विद्यालय के सभी बच्चों ने विभिन्न तरीके के खेल खेले, जिसमें एन.आई.ओ.एस. कक्षा के बच्चों ने रनिंग विद टारगेट गेम्स, सेकण्ड्री कक्षा के बच्चों ने रनिंग, ई.आई.जी. कक्षा के बच्चों ने टारगेट गेम्स एवं प्री–प्राईमारी प्रथम एवं द्वितीय कक्षा के बच्चों ने पिक एण्ड ड्रॉप सॉसर, वी.टी. सी कक्षा के बच्चों ने म्यूजिकल चेयर आदि खेलों में भाग लिया । सभी बच्चों ने उत्साह के साथ सभी खेलों में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन विद्यालय की छात्राओं की डांस प्रस्तुति के साथ हुआ।

खेलों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को पुरूस्कार वितरित किए गए।

राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने का उद्देश्य दैनिक जीवन में खेल और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर भी जोर देना है। इस तरह के आयोजन राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और युवा पीढ़ी को शारीरिक

गतिविधियों में शमिल होने के लिए प्रेरित करने में खेलों के महत्व पर विचार करने का उपयुक्त अवसर है।

निःशुल्क मेडिकल हेल्थ चेकआप केम्पः– दिनांक 03.09.2024 एवं 04.09. 2024 को साईट फर्स्ट फाउण्डेशन जयपुर द्वारा हमारे विद्यालय में नेत्र स्क्रीनिंग केम्प का अयोजन किया गया । कैम्प का आयोजन डॉ. अभिनव महरवाल (एच.ओ.डी.) साईट फर्स्ट फाउण्डेशन जयपुर के मार्गदर्शन में डा. दिलजोत एवं 03 इर्न्टन्स के द्वारा प्रातः 10 बजे से कार्यक्रम शुरूआत की गई। बच्चों /अभिभावकों को उपचार हेतु आधुनिक उपकरणों की सुविधाओं से बच्चों की जांच की गई तत्पश्चात जिनके नेत्र में समस्या थी उनका उपचार हेतु मार्गदशर्न किया गया। साईट फर्स्ट फाउण्डेशन जयपुर से आई हुई टीम को संस्था की ओर से अल्पाहार कराया गया एवं टीम ने संस्था परिसर को वीजिट किया, वीजिट उपरान्त डा. अभिनव महरवाल एवं उनकी टीम के सदस्य ने संस्था द्वारा विशेष बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं एवं उनके लिए किए जा रहे कार्य की प्रशंसा की। कॉलेज के एच.ओ.डी. अभिनव महरवाल ने आश्वासन दिया कि वह भविष्य में भी सेवाएं देने के लिए तैयार है। कार्यक्रम के अन्त में प्रधानाचार्य के द्वारा नेत्र टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सरस डेयरी विजिटः– दिनांक 01.02.2024 को कक्षा एन.आई.ओ.एस.व सैकण्ड्री कक्षा के बच्चो को सरस डेयरी प्लांट विजिट कराया गया, वहां पर सबसे पहले बच्चों ने मिल्क परीक्षण प्रयोगशाला देखी। प्रयोगशाला में दूध की गुणवत्ता की जाँच की जाती है जाँच में सही पाये जाने पर ही दूध बाजार में बेचा जाता है। बच्चों को आगे डेयरी प्लांट की

बड़ी-बड़ी मशीनें दिखाई गई जिसमें बच्चों ने देखा कि कैसे 1 लीटर एवं $\frac{1}{2}$ आधा लीटर की थैलियों को मशीनों से दूध भरकर पैक की जा रही हैं। समस्त कार्य मशीनों से हो रहा था केवल पैक थैलियों को कैरेट में डालने का कार्य स्टाफ कर रहा था। फिर बच्चों ने दूध स्टोरेज रूम देखा, बड़े-बड़े हॉल में घी, मक्खन, छाछ, दही आदि स्टोर करके रखा हुआ था। वहां पर बच्चों को आईसक्रीम प्लांट को दिखाया गया। बच्चों के साथ श्रीमती प्रेरणा गोस्वामी, श्रीमती चन्द्रकान्ता मुरारिया, श्रीमती ज्योति, बाई जी एवं एक प्रशिक्षाणर्थी गया था। बच्चों ने इस विजिट से काफी जानकारी हासिल की।

अभिभावक संवाद :–

'डाउन-सिन्ड्रोम' जागरूकता दिवस' :

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय में ''डाउन सिन्ड्रोम जागरूकता दिवस'' प्रतिवर्ष की भांति 21 मार्च 2024 को विद्यालय के बच्चों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य हमारे समाज को विकासात्मक विकलांगताओं के बारे में जागरूक करना है, जिससे कि इन बच्चों की आवश्यकताओं एवं विशेषताओं

को समझा जा सके एवं इनको सम्मान पूर्वक जीवन-यापन का अवसर मिल सके। डाउन-

सिन्ड्रोम एक गुणसूत्रीय विकृति है जो बच्चे के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास को मुख्यतया प्रभावित करती है।

अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों के साथ हो रहे अनुभवों को अन्य सभी अभिभावकों एवं स्टाफ के स बच्चों केया गया कि किस तरह से वे अपने बच्चों के साथ खुशी और आनन्द के साथ अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। इन बच्चों को अपने जीवन में पाकर वे बहुत खुश हैं और स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

''विश्व डाउन-सिंड्रोम दिवस'' मनाने का मुख्य उद्देश्य पूरे विश्व को शिक्षित करना है कि डाउन-सिंड्रोम क्या है और डाउन-सिंड्रोम वाले व्यक्तियों को समाज में कैसे महत्व दिया जाना चाहिए।

'ऑटिज्म' जागरूकता दिवस' :

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय द्वारा 'ऑटिज्म' जागृति दिवस 02 अप्रेल को आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य 'ऑटिज्म' को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करना एवं समाज में जागरूकता लाना है। अभिभावकों ने अपने बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में प्रश्न किए जिनका हमारे पुनर्वास कार्यकर्ताओं द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में ऑटिज्म-ग्रस्त बच्चों के. अभिभावकों ने अपने बच्चों की परवरिश के बारे में अनुभव भी साझा किये।

'ग्रीष्मकालीन-शिविर' :–

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय में समर-कैम्प का आयोजन किया गया। 16 मई से 22 मई 2024 तक आयोजित इस समर कैम्प में बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों का आना भी अनिवार्य था। समर-कैम्प में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां थी और इन गतिविधियों का संचालन पूर्ण रूप से अभिभावकों के पास था। बच्चों ने योगाभ्यास में नए-नए आसन सीखे, कुकिंग में फल-सब्जियां काटना, चाट, बॉम्बे-सैण्डविच आदि बनाना सीखा। आर्ट एण्ड क्राफ्ट में पेपर बैग बनाना, फैन्सी गिफ्ट लिफाफे बनाना, कपड़ों पर बगरू प्रिंट छापना आदि सीखा। फन गेम में बच्चों ने अलग-अलग गेम्स का खूब आनन्द उठाया। सभी अभिभावकों व बच्चों ने समर कैंप में होने वाली हर गतिविधि में भाग लेकर खूब आनन्द लिया। इस समर कैम्प में अभिभावकों हेतु जागरूकता एवं उत्साहवर्धन के कई कार्यक्रम भी रखे गये। इन कार्यक्रमों हेतु अनुभवी वक्ताओं, श्रीमती प्रतिभा भटनागर एवं श्री अनुराग श्रीवास्तव को आमन्त्रित किया गया था। अंतिम दिवस 22 मई को अभिभावकों एवं बच्चों के लिए पिकनिक आयोजित की गई जिसमें सभी अभिभावक अपने बच्चों को फन किंगडम लेकर गये। बच्चों ने अभिभावकों के साथ मिलकर राइड्स एवं रैन-डांस का आनन्द लिया। सभी अभिभावकों ने ऐसी पिकनिक बार-बार आयोजित करने का आग्रह किया।

केस स्टडी - 1

नाम	:	अदिति शर्मा
जन्म दिनांक	:	05.10.2004
पिता का नाम	:	श्री श्रीराम शर्मा
दिव्यांगता	:	Mild M.R.

व्यक्ति वृत्त (Case History) :–

आदिति शर्मा ने श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय में सत्र 2018-2019 में प्रवेश लिया था। इससे पूर्व वह सैन्ट्रल एकेडमी विद्यालय जो कि एक सामान्य विद्यालय है, में पढ़ाई कर रही थी। आदिति की माँ का देहान्त कुछ समय पूर्व हो गया था और वह संयुक्त परिवार में अपने पापा, ताई-ताऊजी और छोटे भाई-बहन के साथ रहती है। चूँकि आदिति थोड़ा मानसिक रूप से सामान्य बच्चों के समान उतना परिपक्व नहीं थी और कुछ मनोवैज्ञानिक परेशानियां भी रही होंगी इस कारण वह सामान्य विद्यालय में अध्ययन नहीं कर पाई और उसे 2 साल बाद स्कूल से निकाल दिया गया। इसके बाद आदिति का प्रवेश 'वाणी' स्कूल जो कि एक स्पीच थैरेपी सेन्टर है, में करवाया गया, जहाँ उसने पढ़ना एवं लिखना सीखा। तत्पश्चात् आदिति ने हमारे श्रीनिर्मल विवेक स्कूल में प्रवेश लिया। हमने उसका साइकोलोजिकल मूल्यांकन लिया तो जाना कि वह सामाजिक रूप से तथा आत्म-विश्वास की कमी के साथ-साथ गणित एवं अंग्रेजी में कमजोर है। अतः सबसे पहले स्नेह-पूर्वक उसकी एवं उसके अभिभावकों की साइकोलोजिकल काउंसलिंग की गई जिससे उसका आत्म-विश्वास बढ़ा। उसे ये विश्वास दिलाया गया कि वह भी और बच्चों की तरह सीख सकती है। गणित और अंग्रेजी के बेसिक कॉन्सेप्ट को क्लियर किया गया। उसको प्रतिदिन मोटिवेट किया गया और धीरे-धीरे आदिति सामान्य बच्चों के समान पढ़ाई करने लगी। आदिति के बढ़े हुए आत्म-विश्वास एवं उसके व्यवहार ने हमें एक बार पुनः उसे सामान्य विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रोत्साहित किया। हमनें उसके अभिभावकों की लगातार काउंसलिंग की और उसका प्रवेश सामान्य विद्यालय की

5वीं कक्षा में कराया गया। आदिति के पिताजी ने कई बार निवेदन किया कि आदिति को पुनः श्रीनिर्मल विवेक विशेष स्कूल में ही ले लिया जाए परन्तु हमने फिर से उनकी काउंसलिंग की कि आदिति यह कर सकती है और अब आदिति ने राजस्थान बोर्ड ऑफ सैकण्ड्री एज्यूकेशन से 10वीं कक्षा पास कर ली है। शाबास आदिति! हार्दिक बधाई!

संस्था संचालनः–

संस्था का संचालन कर्मठ, प्रतिभावान समर्पित महानुभावों द्वारा किया जा रहा है। कार्यकारिणी–समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण निम्नलिखित हैं :–

	नाम	**पद**	**व्यवसाय**
1.	श्री आई.सी.श्रीवास्तव	अध्यक्ष	से.नि.आई.ए.एस.
2.	श्री वी.सी.मेहता	उपाध्यक्ष	वित्तीय सलाहकार
3.	श्री एन.के.मोदी	सचिव	सी.ए.
4.	श्री आर.सी मेहता	संयुक्त सचिव	से.नि. बैंकर
5.	श्री रजनीश सिंघवी	सदस्य	सी.ए.
6.	श्रीमती मधु मोदी	सदस्य	सामाजिक कार्यकर्ता
7.	श्री वी.के.सिंघवी	सदस्य	सामाजिक कार्यकर्ता